# मिशन शिक्षण संवाद

## जनपद फ़तेहपुर की प्रस्तुति

## भारत की प्रमुख महिला समाज सुधारक

- सावित्रीबाई फुले
- एनी बेसेन्ट
- पंडिता रमाबाई
- सरोजिनी नायडू
- मदर टेरेसा

निर्देशन
श्रीमती नीलम भदौरिया
संयोजक मिशन शिक्षण संवाद
जनपद फ़तेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
16/08/2020

## सावित्रीबाई फुले

दिन
रविवार

3 जनवरी सन् 1831 में,
नायगाँव महाराष्ट्र में थी जन्मी।
9 साल की उम्र में विवाह कर,
ज्योतिबा की पत्नी थी बनी।।

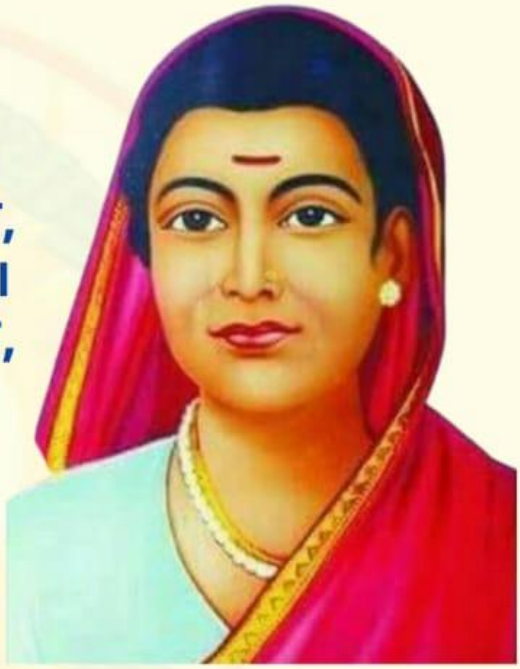

बालिका शिक्षा की अलख जगाने वाली,
भारत में पहली बालिका शिक्षिका बनी।
18 बालिका विद्यालयों की स्थापना कर,
पहली महिला प्रिंसिपल बनी।।

छुआ-छूत, बाल विवाह का विरोध कर,
भारत में अपना मान बढ़ाया था।
दलितों, वंचितों के अधिकारों के लिए
संघर्ष कर,
ज्योतिबा के अधूरे सपनों को साकार
किया था।

विधवा ब्राह्मण काशीबाई की रक्षा कर,
उनके पुत्र यशवंत को अपना दत्तक पुत्र
बनाया था।
प्लेग रोगियों की सेवा कर,
सन् 1897 में मृत्यु को गले लगाया।।

रचना
साधना
प्रधानाध्यापिका
कंपोजिट स्कूल- ढोढ़ियाही
तेलियानी, फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
17/08/2020

## एनी बेसेंट

दिन
सोमवार

1847 में लंदन में जन्मीं एनी बेसेंट,
जन्म से नहीं पर दिल भारत के लिए।
पहला संघर्ष खुद की आजादी,
फिर भारत की आजादी के लिए।

अग्रणी अध्यात्मिक, थियोसोफिस्ट,
महिला अधिकारों की समर्थक।
लेखक, वक्ता, भारतप्रेमी महिला
समाज सुधारक व राजनेता।

1893 के दिन जब भारत को अपना माना,
इच्छा पाली भारत को आजादी दिलाना।
1898 में सेंट्रल हिन्दू कालेज की स्थापना की,
1914 में होमरूल लीग की।

1917 में बनी INC की पहली महिला अध्यक्षा,
उनके अनुसार जब तक देश आजाद नहीं।
कोई सुधारक काम नहीं, अपनी मृत्यु 1933 तक,
एनी बेसेंट सुधारक कार्य में लगी रहीं।

रचना
गुलफ्शाँ
सहायक अध्यापक
प्रा. वि.- केवटरा बेंता
देवमई, फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
18/08/2020

## पंडिता रमाबाई

दिन
मंगलवार

1858 में महाराष्ट्र भूमि में,
जन्म लिया पंडिता रमाबाई ने।
संस्कृत ज्ञाता, सामजिक कार्यकर्ता,
वो थी पंडिता रमाबाई।।

उपाधि पाई पंडिता की केशवचंद्र सेन से,
कोलकत्ता विश्व विद्यालय से सरस्वती की।
केसर-ए-हिन्द की ब्रिटिश सरकार से,
वो थी पंडिता रमाबाई।।

स्थापना की आर्य महिला समाज की,
बात की स्त्रियों के कल्याण की।
शुरुआत की मुक्ति मिशन की,
वो थी पंडिता रमाबाई।।

रचना की स्त्री धर्मनीति की,
द हाई कास्ट हिन्दू वुमेन की।
सात भाषाओं की ज्ञाता,
वो थी पंडिता रमाबाई।।

रचना
प्रियंका यादव
सहायक अध्यापक
प्रा.वि.- खानपुर कदीम
अमौली, फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
19/08/2020

## सरोजनी नायडू

दिन
बुधवार

हैदराबाद के प्रान्त में जन्मी,
ऊर्जावान स्वतंत्रता सेनानी।
सरोजिनी नायडू जिनका नाम,
ऐसी कर्मठ महिला को सलाम।

कुशाग्र बुद्धि कवयित्री बनी,
रचना की 'झील की रानी'।
ओतप्रोत रचनायें देशभक्ति की,
'भारत कोकिला' बनी भारत की।

बनी समर्थक नारी मुक्ति की,
महिला सशक्तिकरण को बढ़ाया।
आवाज़ उठायी महिलाओं की,
राष्ट्रनिर्माण का फर्ज निभाया।

पहली महिला राज्यपाल बनकर,
उत्तरप्रदेश में नारी का मान बढ़ाया।
मिली उपाधि 'केसर- ए- हिन्द' की,
देशप्रेम का उत्तरदायित्व निभाया।

रचना
अनुप्रिया यादव
सहायक अध्यापक
उ.प्रा.वि.- काजीखेड़ा
खजुहा, फतेहपुर

# मिशन शिक्षण संवाद

दिनाँक
20/08/2020

## मदर टेरेसा

दिन
गुरुवार

26 अगस्त 1910 ईसवी को स्कोप्जे में जन्मी,
अग्नेश गोझा बोयाजिजू नाम पर मदर टेरेसा कहलायी।
गरीबों और अनाथों के लिए भारत में वो रमी,
मानवता और प्रेम से सबके मन को भायी।

अट्ठारह साल में शामिल हुई सिस्टर्स ऑफ लोरटो में,
पाकर सिस्टर की उपाधि उपचार सबका की थी।
शिक्षा देने के लिए अंग्रेजी सीखी आयरलैंड में,
कोलकाता के शहर में बसकर नि:स्वार्थ सेवा की थी।

1950 में स्थापना करी मिशनरी ऑफ चैरिटी की,
आश्रम और भवन बनाकर सहारा सबको दिया।
विश्व ने नोबेल पुरस्कार देकर सम्मानित उन्हें किया,
भारत ने भी भारतरत्न देकर अलंकृत उन्हे किया।

5 सितम्बर 1997 को स्वर्ग में कदम रखा,
ऐसी माँ तो है विश्व की माँ, तब अमर हो गयी।
ज़िन्दगी के पन्नो पर उन्होंने ऐसा कुछ लिखा,
जो पवित्र पुस्तक सी सुबह शाम पढ़ी गयी।

रचनाकार
रूचि सिंह
सहायक अध्यापक
उ.प्रा.वि.- गांजर
खजुहा, फतेहपुर